उच्च शिक्षा में गुणात्मक ह्रास एवं बढ़ती शिक्षित बेरोजगारी

डॉ0 अवध बिहारी सिंह

भारत की उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा का लगातार गिरता स्तर देश में शिक्षित बेरोजगारी की समस्या पैदा कर रहा है जिससे हमारी शिक्षा प्रणाली पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। इस बात को उजागर करते हुए रामदत्त त्रिपाठी नें लिखा है कि श्बड़ी संख्या में शिक्षित बेरोजगारी हमारी शिक्षा प्रणाली पर प्रश्न चिह्न है। हमारी शिक्षा हमें हुनरमंद नहीं बनाती है। आर्थिक उदारीकरण के बाद देश में जो विकास हुआ, उसमें भी युवकों के लिए सम्मानजनक रोजगार के अवसर पैदा नहीं हुए। जब लोगों के पास रोजगार और जेब में पैसा नहीं होगा, तो गोदाम में अनाज होते हुए भी लोग खाली पेट रहेंगे। भयंकर बेरोजगारी और गरीब–अमीर के बीच बढ़ती यह खाई असंतोष को जन्म दे रही है।